12.04-1/2 hrs.

Title: Regarding reported statement of Prime Minister on Ayodhya issue.

MR. SPEAKER: Now, we take up Zero Hour. Shri Haribhau Shankar Mahale.â€¦ (*Interruptions*)

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : अध्यक्ष महोदय, यह बड़ा गम्भीर मुद्दा हैâ€¦(व्यवधान) इस समय इसे उठाकर राजनीति की गोटियां सेंकने का काम किया गया है।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: One by one please. Shri Jaipal Reddy.

SHRI S. JAIPAL REDDY (MIRYALGUDA): Sir, the Prime Minister made an extraordinary statement yesterday at Lucknow. We take strong objection to the statement on several grounds.

Firstly, he made the statement outside the House on an issue, which is both sensitive and explosive. It is unfortunate, the Prime Minister has made a habit, of late, to make such statements outside the House.

Secondly, the statement has the potential of communalising the situation in the country, more particularly, in UP, in view of the forthcoming polls.

Thirdly, the statement is highly objectionable because the statement is untrue and it is false. All the authentic pro-Babri Masjid Committees have denounced the statement. It has not only been improper but has been a false statement.

I, therefore, suggest that the Prime Minister should come to the House...(*Interruptions*)

श्री विनय कटियार (फैज़ाबाद) : अगर किसी समस्या का समाधान हो रहा हो तो उसमें आपत्ति क्या है?â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, please take your seats. The hon. Minister is there and he can reply....(*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY : The Prime Minister should come to the House and clarify it. He should take the House into confidence â€¦ (*Interruptions*) The Prime Minister should tell us and take the House into confidence as to the organisations with which he conducted the talks. I am saying, Sir, with full sense of responsibility that the Prime Minister has spoken to none. He has made a misleading statement. Nobody is opposed to talks on Babri Masjid issue but there is no possibility of talks being successful. How can the Prime Minister express a false hope on the basis of a false premise? ...(*Interruptions*)

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, प्रधान मंत्री जी ने कल लखनऊ में जो कहा है, वह निश्चित रूप से चिंता का विाय है। विश्व हिन्दू परिाद ने घोाित कर दिया है कि वह अयोध्या में 12 मार्च में मंदिर निर्माण का काम शुरू कर देगी। प्रधान मंत्री जी ने कहा है कि इसके लिए वार्ता हो रही है और इस वार्ता के कई चरण पूरे हो गये हैं। विश्व हिन्दू परिाद ने कहा है कि हमें वार्ता करने की कोई जरूरत नहीं है और हम तारीख पर अड़े हैं। बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी ने कहा है कि कोई वार्ता नहीं हो रही है। यह बहुत गंभीर सवाल है। उत्तर प्रदेश में बीजेपी की क्या हैसियत है, यह बीजेपी के लोग जानते हैं।

â€¦(व्यवधान) वे जानबूझकर उत्तर प्रदेश में दंगा कराने की साजिश कर रहे हैं और एक ाडयंत्र के तहत पूरे देश में वातावरण को साम्प्रदायिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Since the case is before the Court, you cannot discuss the merits of the case. This is also a *sub judice* matterâ€¦.. (*Interruptions*)

श्री रामजीलाल सुमन : शिक्षा के भगवाकरण के सवाल पर इनके सहयोगी दल ही इनसे नाराज हैं। पूरे देश में आरएसएस को छोड़कर कोई इनके साथ नहीं है।â€¦(व्यवधान) राजस्थान के भीलभाड़ा में मस्जिद तोड़ दी गई।â€¦(व्यवधान) चिंता का विाय यह है कि विश्व हिन्दू परिाद, बजरंग दल और आरएसएस अगर कोई बात कहते हैं तो उसे बीजेपी की बात समझनी चाहिए क्योंकि ये उनकी कृपा पर जिंदा हैं। जब यह सदन चल रहा था तो निश्चित रूप से प्रधान मंत्री जी को यह बात सदन में कहनी चाहिए थी।â€¦(व्यवधान) प्रधान मंत्री जी वीएचपी के लोगों को डांट लगाएं, फटकार लगाएं क्योंकि जब तक यह सरकार यह घोाित नही करेगी कि या तो बातचीत के जरिए या अदालत के जरिए ही इस समस्या का समाधान हो सकता है और जो भी वातावरण को बिगाड़ने की कोशिश करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई सरकार करेगी वर्ना यह माना जाएगा कि विश्व हिन्दू परिाद अटल बिहारी वाजपेयी की भाा बोल रहा है।â€¦(व्यवधान)

श्री विजय गोयल (चांदनी चौक) : अध्यक्ष जी, अपोजीशन के दो लोगों ने बोला है। एक इस साइड से भी तो होना चाहिए।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is none of your business. This is not your business. This is too much....(*Interruptions*)

श्री विनय कटियार : अध्यक्ष महोदय,â€¦(व्यवधान) हमें चेयर से बोलने की कभी भी अनुमति नहीं मिलती है।â€¦(व्यवधान) हमें भी अपनी बात कहने का मौका दिया जाये।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कटियार जी, आपको बुलाएंगे।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कटियार जी, आप बैठ जाइए। आपको भी बुलाएंगे न।â€¦(व्यवधान)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Mr. Speaker, Sir, I associate myself with what Shri Jaipal Reddy has said. It is a very sensitive matter. Everybody knows about it. This is not a routine visit to look after the problems of his constituency. He makes a very significant statement obviously related to the March date by which time the election in Uttar Pradesh is to be held. Obviously, it is intended to create some influence there.

Now, Mr. Speaker, Sir, you are asking us to follow certain norms inside the House on how to conduct the business of the House and we should not cross the *Lakshman Reka*.

But it seems that does not apply to the hon. Prime Minister. He makes important statements outside the House. He is the Leader of the House. He is the Prime Minister. When Parliament is sitting, statements on such important issues are being made outside the Parliament. He has been good enough to come to attend the House today although it is a Monday. Since he is here, I request him to make a statement on this, take the House into confidence and through this House, tell the country what is the real position because this should not be treated as a mere routine matter or a mere matter of BJP and RSS. That is the most important thing. Therefore, he should make a statement on this issue.

कुंवर अखिलेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, ये बाबरी मस्जिद गिराने के आरोपी हैंâ€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing should go on recordâ€¦.*(Interruptions) â€¦**

MR. SPEAKER: You have raised it....(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except the speech of Shri Vinay Katiyar. *(Interruptions) â€¦ **

श्री विनय कटियार : अध्यक्ष महोदय, बार-बार विपक्षी दलों की ओर से इस विाय को उठाकर, इसी मुद्दे को उठाकर â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except the speech of Shri Vinay Katiyar. *(Interruptions) â€¦ **

श्री विनय कटियार : अध्यक्ष महोदय,. माननीय प्रधान मंत्री जी ने पहले जो बयान दिया था, प्रतिपक्ष के सारे लोगों ने एक स्वर के साथ बात कही थी कि इस समस्या के समाधान के लिए â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except the speech of Shri Vinay Katiyar. *(Interruptions) â€¦ **

(* Not Recorded)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए।

श्री विनय कटियार : अध्यक्ष महोदय, इसलिए उस समय भी यह चर्चा हुई थी â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए। आप क्या कर रहे हैं। You are not allowing the other

Member. What is this? You please take your seat. Nothing should go on record except the speech of Shri Vinay Katiyar.

श्री विनय कटियार : अध्यक्ष महोदय, जब सदन में यह चर्चा हुई थी, तो सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक सभी ने एक स्वर से बात कही थी कि इस समस्या का समाधान बातचीत के माध्यम से हो। माननीय प्रधान मंत्री जी यहां उपस्थिति हैं, वे उस पर कुछ बोलेंगे। â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Kunwar Akhilesh Singh, what are you doing? You are not allowing the other Member to speak. Please take your seat.â€¦ (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Kunwar Akhilesh Singh, please take your seat.â€¦ (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please take your seat. You are not allowing the other Member. You are speaking without the permission of the Chair. Please take your seat. ...(*Interruptions*)

श्री विनय कटियार : अध्यक्ष महोदय, हम यह मानते है कि यह संवेदनशील मामला है। माननीय चन्द्रशेखर जी जब प्रधान मंत्री थे, वे यहां सदन में बैठे हैं, उस समय भी एक प्रक्रिया प्रारम्भ हुई थी, मुझे जानकारी नहीं है, लेकिन बातचीत की एक प्रक्रिया प्रारम्भ हुई थी। सब लोग चाहते हैं, समय-समय पर यह विाय सदन के अन्दर उठा है, सारे लोगों ने एक साथ बात कही हैâ€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: We are not discussing the merits of the case. They have only raised whatever the hon. Prime Minister has mentioned yesterday.â€¦ (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please take your seat. What are you doing? I called his name. Shri Rashid Alvi, you are a senior Member. I called his name. How can I ask him to sit down? ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: No, I called him. Shri Rashid Alvi, you are also a senior Member. Please understand I called his

name. How can I stop him?

श्री विनय कटियार : अध्यक्ष महोदय, प्रधान मंत्री जी ने जो भी बयान दिया है, लखनऊ में बयान दिया है ...(*Interruptions*)

माननीय प्रधान मंत्री जी ने लखनऊ में वार्ता का जो भी बयान दिया, वार्ता के माध्यम से समस्या का समाधान करने का जो बयान दिया, हम उनके बयान का स्वागत करते हैं और आशा करते हैं।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except the speech of Shri Vinay Katiyar. *(Interruptions)* â€¦ *

MR. SPEAKER: Shri Vinay Katiyar, please conclude now.

श्री विनय कटियार : सारे दलों को बातचीत के माध्यम से इस समस्या के समाधान में बात करनी चाहिए और सब को उसमें सहयोग करना चाहिए। पिछले दिनों हमने इसी समस्या को लेकर बातचीत प्रारम्भ भी की थी। लखनऊ के अंदर हमने बात प्रारम्भ की थी। समाजवादी पार्टी के लोग रोज रामजन्म भूमि और बाबरी मस्ज़िद के विाय को लेकर प्रदेश में दंगे कराना चाहते हैं और आज भी करा रहे हैं।

â€¦(व्यवधान) चाहे कानपुर, आजमगढ़ हो या कहीं भी हो। मैं कितने दंगों की सूची बनाऊं। इससे इनको कोई लाभ होने वाला नहीं है, ये सब समझ चुके हैं।â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is too much.

प्रधान मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : अध्यक्ष महोदय, मुझे खेद है क्योंकि सदन में आने में थोड़ा विलम्ब हो गया। मैं एन.डी.ए की एक बैठक में व्यस्त था। माननीय सदस्यों ने अयोध्या के मामले में जो रूचि दिखाई है उससे मुझे प्रसन्नता हुई है। मैं चाहता हूं कि यह रुचि आगे भी बनी रहे और समस्या के समाधान में सहायक हो।â€¦(व्यवधान)

श्री राशिद अलवी (अमरोहा) : महोदय, रुचि नहीं है, तकलीफ है।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह ठीक नहीं है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, कल मैं लखनऊ में था, वहां एक प्रैस सम्मेलन रखा गया था। महोदय, अब अगर यह व्यवस्था हो कि जब सदन की बैठक चल रही है तो प्रैस को सम्बोधित न किया जाए, किसी तरह की घोाणाएं न की जाएं, नीति संबंधी घोाणाएं न हों, यह बात तो मैं मानता हूं और यह बात सदन को स्वीकार भी है, लेकिन अगर किसी ने अयोध्या के बारे में प्रश्न पूछ लिया तो क्या मैं यह कहूं कि पार्लियामेंट की बैठक हो रही है, मेरे मुंह में ताला लगा हुआ है। यह मैं नहीं कह सकता और संसद यह

चाहेगी भी नहीं। इस संबंध में जिस तरह के प्रतिबंध हमारे ऊपर लगाए जा रहे हैं, उसी तरह के आपके ऊपर भी लगेंगे। प्रतिपक्ष इस जिम्मेदारी से बचेगा नहीं। कल मैंने अयोध्या के बारे में क्या कहा, मुझ से यह सवाल पूछा गया। सवाल यह था कि विश्व हिन्दू परिद ने मार्च के महीने तक अयोध्या की समस्या के समाधान के लिए कहा है, आपकी क्या प्रतिक्रिया है। मैंने कहा कि हम चाहते हैं कि अयोध्या की समस्या मार्च के पहले ही हल हो जाए। इसके लिए बातचीत भी चल रही है।â€¦(व्यवधान)

श्री एस.जयपाल रेड्डी : किस से बातचीत चल रही है?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मैंने वहां जो जवाब दिया, वह मैं आपको बता रहा हूं। किन से बातचीत चल रही है, यह बताना सार्वजनिक हित में नहीं है।â€¦(व्यवधान)

SHRI S. JAIPAL REDDY : Sir, I do not interrupt the hon. Prime Minister. How can the hon. Prime Minister hold discussions with anonymous groups? How can the House be kept in dark? How can that be in the national interest? ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Let him complete.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, कल मुझे कितने प्रतिनिधि मंडल मिले और उनमें अलग-अलग सम्प्रदायों के प्रतिनिधि मंडल थे। मैं इसकी सारी सूची सभापटल पर रखने के लिए तैयार हैं, लेकिन अगर अयोध्या की समस्या के गंभीर समाधान में आपकी रुचि है तो आप इसका स्वागत करेंगे कि जब वार्ता चल रही है तो उसके बीच में उस वार्ता के बारे में घोाणाएं हों, यह ठीक नहीं है। हम जब उस नतीजे पर पहुंचेंगे तो सदन के सामने आएंगे और फिर आप जो भी आलोचना करेंगे, उसे स्वीकार करेंगे।